पाठ - 9 अखबार की दुनिया

गद्य

प्रस्तावना

अखबार पढ़ना हमारी आदत में शामिल हो गया है। रोज सुबह उठते हो अखबार वाला अखबार दे जाता है और हमारी पैनी निगाहें उस पर दौड़ने लगती ह। शहर में, राज्य में, देश में, दुनिया में कौन कौन सी घटनाए घटी, उन्हें विस्तार से जानने के लिए हम अखबार पढ़ते है। अखबार के अलावा रेडियो, **टेलीविजन** और विभिन्न समाचारों की विस्तार से जानकारी प्राप्त होती है। अखबार पढ़ते समय आप देखते होंगे कि इसमें समाचारों के अलावा और भी सामग्री होती है, जैसे– संपादकीय, कार्टून, फीचर, विज्ञापन आदि। इस प्रकार अखबार हमें तमाम महत्वपूर्ण घटनाओं की सूचना कई प्रकार से देता है। आइए, इस पाठ के माध्यम से हम जानें कि एक अखबार किन –किन सामग्री के साथ तैयार किया जाता है।

अखबार का स्वरूप

बहुत लोगों की धारणा है कि अखबारों में सिर्फ समाचार छपते है लेकिन अखबारों में सिर्फ समाचार ही नही छपते, बल्कि समाचारों पर आधारित और समाचारों से अलग हटकर भी बहुत सारी चीजें छपती ह, जिन्हें हम अलग–अलग नामों से जानते है। इन्हें हम अखबार के अंग भी कह सकते है। इन्हीं सारी चीजों से अखबार का स्वरूप बनता है। आइए, हम अखबार के अंगों के विषय में जान लेते है।

अखबार के अंग

आपने देखा होगा कि हर अखबार में कुछ चीजें अनिवार्य रूप से छपती ह। जैसे–
समाचार, संपादकीय, फोटो फीचर, लेख कार्टून, ग्राफिक्स और विज्ञापन आदि। इन्हें ही अखबार के अंग कहा जाता है।

1. **समाचार**

   समाचार अखबार का प्रमुख अंग होता है। केवल वही घटना समाचार बनती है जिसका स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से महत्व होता है।

2. **संपादकीय**

   समाचारों पर आधारित संपादक की टिप्पणी को संपादकीय कहते ह। संपादकीय के लिए हर अखबार में बीच का एक पूरा पृष्ठ अलग से निर्धारित होता है।

3. **फोटो** अखबारों में प्रकाशित फोटो का महत्व भी समाचारों से कम नहीं होता। अखबार में छपने वाला फोटो भी अपने आपमें एक समाचार होता है।

4. **फीचर**

   यह पत्रकारिता जगत की अत्यंत महत्वपूर्ण विधा है, अर्थात किसी बात या घटना को मनोरंजक शैली तथा सरल भाषा में बताना फीचर होता है।

5. **लेख**

   अखबारों में प्रायः दो प्रकार के लेख प्रकाशित होते हैं–
   1. संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख।
   2. फीचर वाले पृष्ठ पर प्रकाशित लेख।

6. **साक्षात्कार**

   साक्षात्कार यानी किसी व्यक्ति से बातचीत करना। इसे अंग्रेजी में इंटरव्यू कहा जाता है। यह अखबार का अनिवार्य अंग माना जाता है।

7. **व्यंग्य चित्र या कार्टून**

   अखबारों में कार्टून दो प्रकार के छपते ह–
   1. समाचारों पर आधारित कार्टून
   2. शुद्ध मनोरजंन पर आधारित कार्टून

8. **विज्ञापन**

   विज्ञापन अखबारों की आय का प्रमुख साधन होते ह। इन से ही अखबारों को आमदनी होती है। इनका एक और महत्वपूर्ण कार्य होता है वह शिक्षित करना।

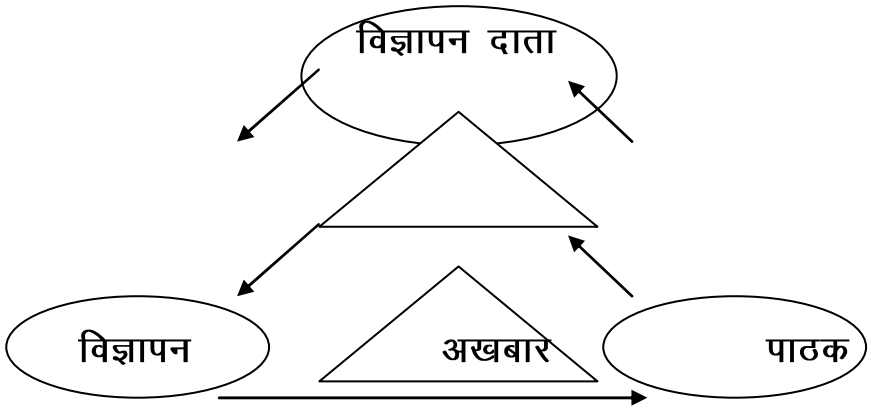

9.पत्र

पाठकों के पत्र अखबारों के लिए दिशा निर्देश का कार्य करते हैं और उन्हें अपनी गलती सुधारने का मौका मिल जाता है।

समाचारों की चयन प्रकिया

अखबारों में समाचारों का चयन सामूहिक निर्णय के आधार पर किया जाता है। अखबार के लिए चयन प्रकिया अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी का काम होता ह।

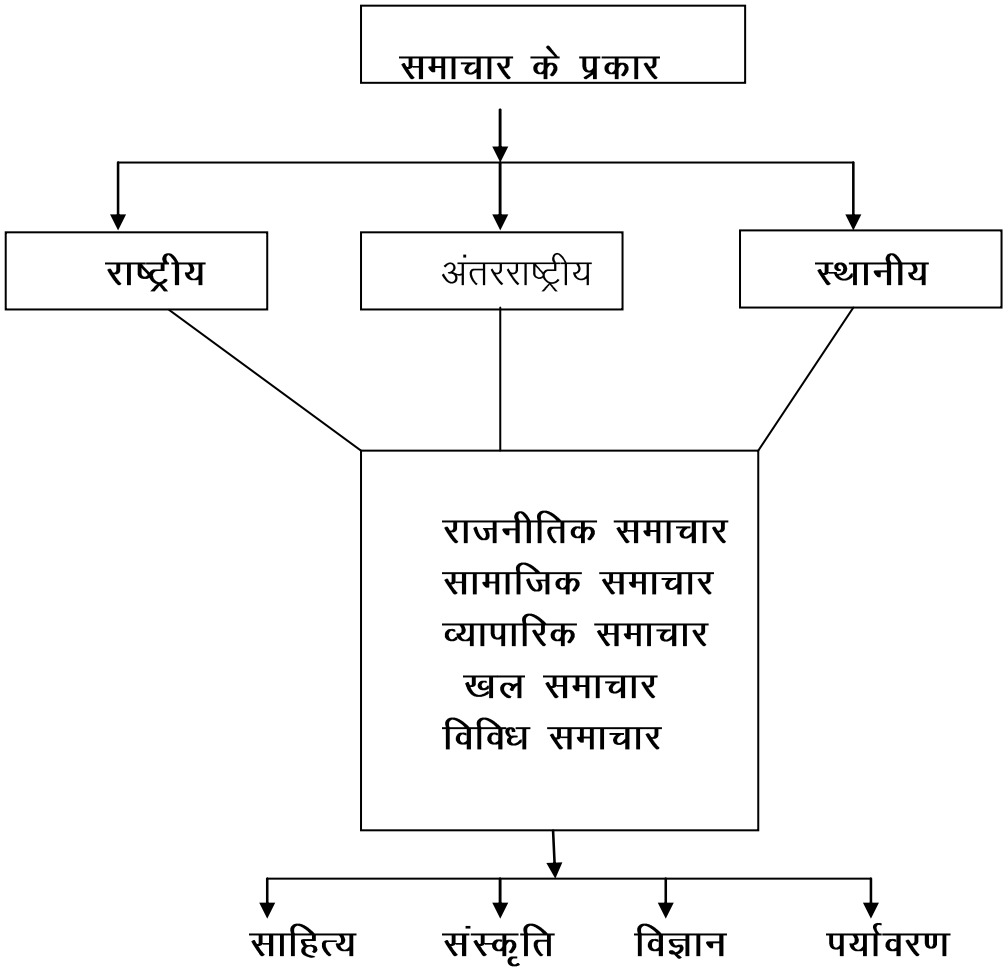

समाचार के अंग

जब कोई संवाददाता किसी घटना की सूचना देता है, तो उसके लिए कुछ बातों का ब्यौरा देना आवश्यक होता है। इसके बाद समाचारों के महत्व के अनुसार उनकी प्रस्तुति में पाठका की सुविधा और रुचि को ध्यान में रखकर कुछ चीजें जोड़ दी जाती ह। ये चीजें ही **समाचार का** अंग कहलाती है।

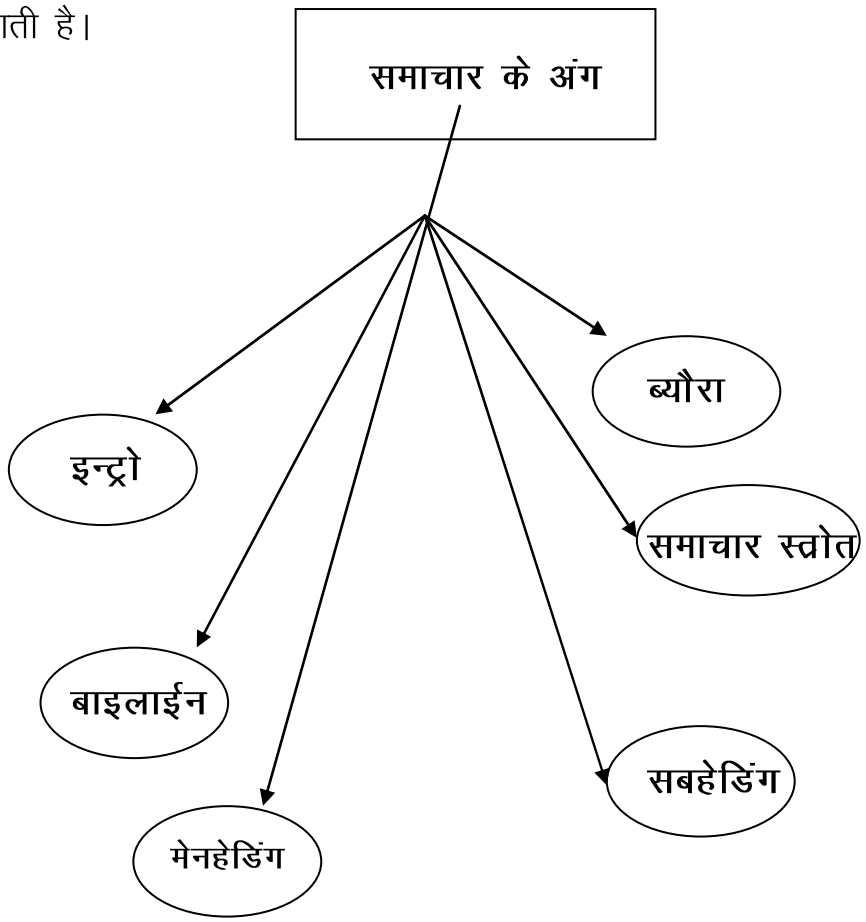

समाचार की भाषा

समाचारों की भाषा सरल होती है। अखबार, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से हम समाचारों से अवगत होते है। अखबार पढ़कर, रेडियो सुनकर और **टेलीविजन** देख सुनकर हम समाचार की जानकारी प्राप्त करते ह। माध्यम अलग अलग होने के बावजूद समाचारों के मामले में एक समानता होती है कि उनकी भाषा सरल, सुबोध और तुरन्त समझ में आने वाली होती है।

समाचार की भाषा

1. सूचनापरक भाषा
2. सहज भाषा
3. सरल भाषा
4. प्रवाहमय भाषा
5. रोचक भाषा
6. व्यापारिक भाषा
7. साहित्यिक भाषा

इलेक्ट्रानिक अखबारः अखबार का एक नया रूप

इलेक्ट्रानिक अखबारों का प्रचलन इन दिनों काफी बढ़ा है। कागज के छपने वाले अखबार से इसका रूप थोड़ा अलग होता है। इसे केवल कम्प्यूटर या इंटरनेट के सहारे ही पढ़ा जाता है। इलेक्ट्रानिक अखबारों में भी समाचारों की चयन प्रक्रिया कागज पर प्रकाशित होने वाले अखबारों की तरह ही होती है।